अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 174 पोर्ट ब्लेयर, मंगलवार, 25 जून 2024 web: www. and.

आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अपना 47वां स्थापना दिवस मनाया

पोर्ट ब्लेयर, 24 जून। यहां के आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान का 47वां स्थापना दिवस 24 जून, 2024 को संस्थान के डॉ. टीआर दत्ता कॉन्फ्रेंस हॉल में गणमान्य व्यक्तियों और किसानों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर भव्यता के साथ मनाया गया। बिहार के सबौर में बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर. सिंह ने वर्चुअल मोड के माध्यम से "अगली पीढ़ी की कृषि: आईसीएआर–सीआईईएआरआई की विकास के लिए रणनीतिक प्राथमिकताएं" विषय पर एक स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने संस्थान के सभी कर्मचारियों को उनकी उपलब्धियों और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए बधाई दी।

डॉ. सिंह ने द्वीपों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों जैसे सीमित भूमि उपलब्धता, अद्वितीय जलवायु परिस्थितियों, मिट्टी की उर्वरता और कीट और रोग के दबाव पर जोर दिया। उत्पादक और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए, उन्होंने सुझाव दिया कि संस्थान गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करे और मसाले, ऑर्किड और वृक्षारोपण फसलों जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती की वकालत करे। उन्होंने मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने और चेरी तथा नोनी जैसी कम उपयोग वाली फसलों की क्षमता का पता लगाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, उन्होंने टमाटर, बैंगन, खीरे, भिंडी, मिर्च, सेम, गोभी, कद्दू, करेला और मूली के साथ विभिन्न फसलों के लिए

शेष पृष्ठ 4 पर

आईसीएआर–केन्द्रीय द्वीपीय कृषि

पृष्ठ 1 का शेष

संरक्षित खेती के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एरोपोनिक्स, हाइड्रोपोनिक्स और वर्टिकल फार्मिंग जैसी नवीन कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने का भी सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एकीकृत कृषि प्रणाली के महत्व पर बल दिया और द्वीपों में टिकाऊ कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई), डिजिटल मार्केटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि पोर्ट ब्लेयर के भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के प्रभारी अधिकारी डॉ. सी. शिवपेरुमन ने द्वीपों की सेवा करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता के लिए प्रशंसा की, विशेष रूप से नस्ल पंजीकरण, दस्तावेजीकरण, पेटेंट और नई रणनीतियों के विकास जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने द्वीपों पर बागवानी और जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य के लिए भी संस्थान की सराहना की। डॉ. शिवपेरुमन ने संस्थान को और अधिक मान्यता दिलाने के उनके प्रयासों के लिए सभी कर्मचारियों को बधाई दी।

आईसीएआर–सीआईईएआरआई के निदेशक डॉ. एकनाथ बी. चाकुरकर ने अपने संबोधन में कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की और पूरे वर्ष उनकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा की। निदेशक ने संस्थान के वैज्ञानिकों को उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में उनके प्रकाशनों, पेटेंट प्रदान करने और प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण के लिए भी सम्मानित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने और कृषक समुदाय की आजीविका में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह के सोलह नवोन्मेषी किसानों को आईसीएआर–सीआईईएआरआई तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को भी प्रौद्योगिकी विकास, व्यावसायीकरण, अनुकरणीय प्रयोगात्मक फील्डवर्क, असाधारण शोध प्रकाशन और कुशल स्टाफ प्रदर्शन में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचाना और सम्मानित किया गया। आईसीएआर–सीआईईएआरआई के पशु विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. जय सुंदर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

आईसीएआर–सीआईईएआरआई की वैज्ञानिक डॉ. पूजा बोहरा ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। आईसीएआर–सीआईईएआरआई के कर्मचारी सदस्यों के साथ–साथ लक्षद्वीप के मिनिकॉय स्थित क्षेत्रीय स्टेशन, उत्तर व मध्य अंडमान स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, निकोबार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र और अन्य आईसीएआर संस्थानों के अधिकारी भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।